

PRATHAM BOOKS

A Book in Every Child's Hand

पठन स्तर २

कबाड़ी वाला

Author: Sridala Swami
Illustrator: Suvidha Mistry
Translator: Manisha Chaudhry



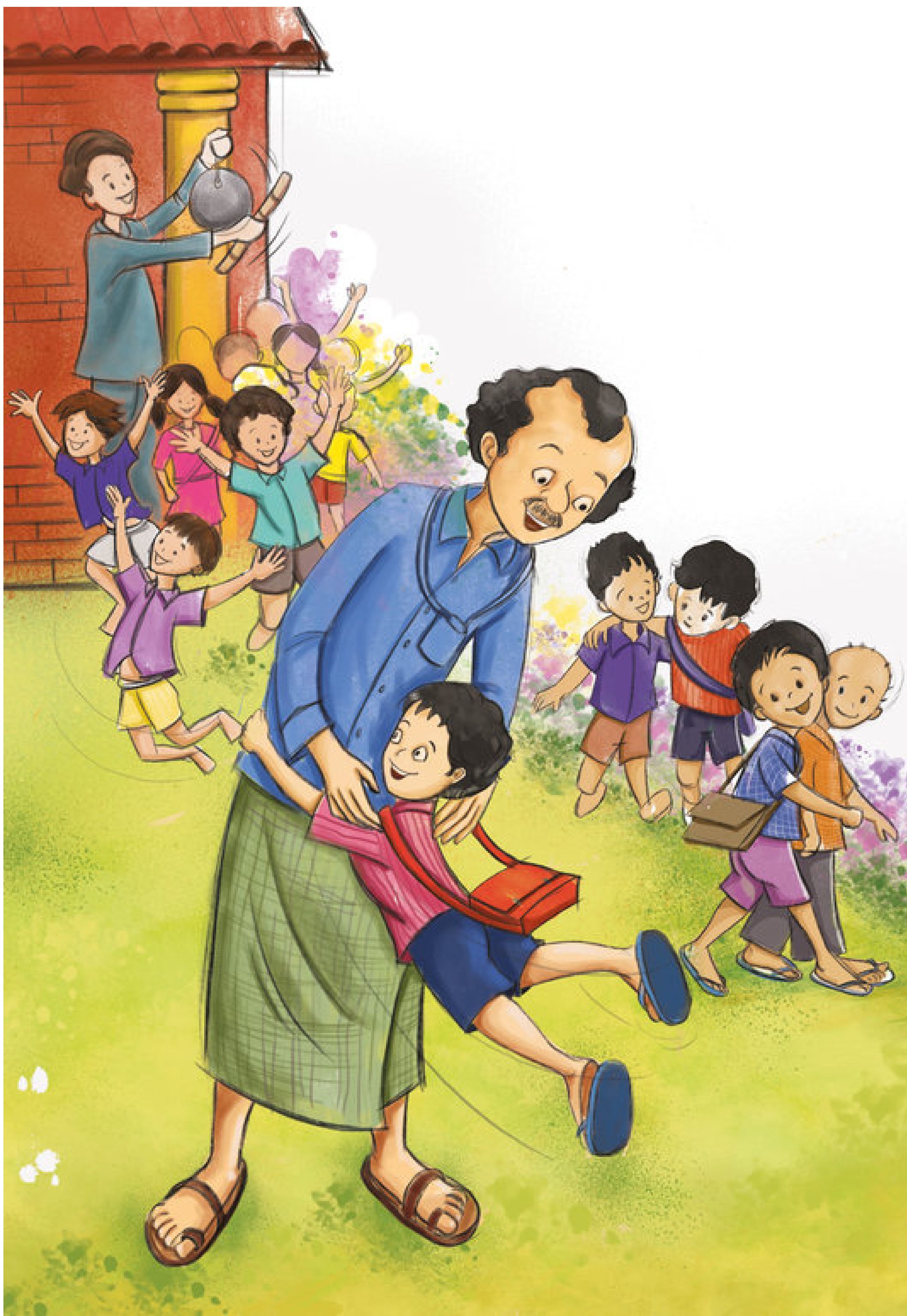
स्कूल की छुट्टी होने में पाँच मिनट रह गये थे पर चीनू और इन्तज़ार नहीं कर सकता था। उसने बाहर देखा। वहाँ कोई नहीं था। तभी कहीं पास से घंटी की टनटनाहट सुनाई दी।



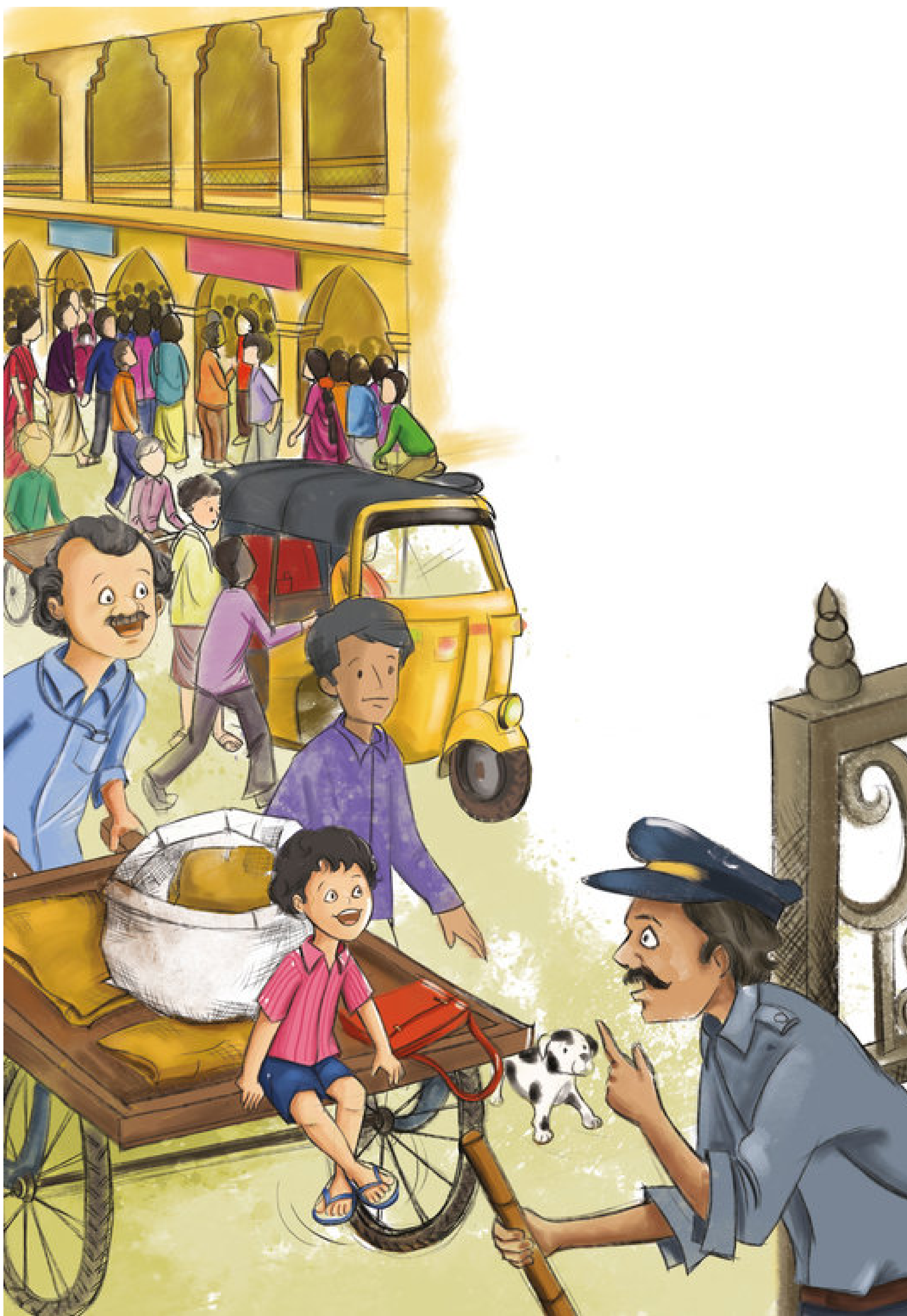
"चीनू क्या हो रहा है?" टीचर ने कहा
"सॉरी अक्का," चीनू बोला,
"वो क्या है कि..."



तभी, “पेपरवाला, पेपर! पुराने अखबार, कबाड़ी!” चीनू के पिता, कबाड़ी वाले ने गाकर पुकारा। चीनू की मुस्कराहट बाहर तक चमक रही थी।



स्कूल की घंटी बजी। चीनू पिता जी के पास दौड़ कर पहुँचा। चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान खेल रही थी। स्कूल में वह अकेला बच्चा था जिसके पिता जी उसे लेने आते थे।



चीनू कूद कर ठेले पर जा बैठा और उसने अपने पैर लटका लिये। पिता जी ने ठेले को धक्का दिया और ज़ोर से पुकार लगाई, “पेपरवाला...कबाड़ी!” चीनू ने भी पुकार लगाई। वाह! दोनों की क्या ज़ोरदार आवाज़ निकली!

जब एक चौकीदार ने उन्हें रोका, चीनू नीचे कूदा। एक खाली बोरी लेकर वह अपने पिता जी के साथ गया। आज उन्हें जो भी सामान मिलेगा वह इस बोरी में भरा जायेगा।



इस घर से, अखबार।
उस घर से अखबार और पत्रिकाएँ।
नीचे वाले घर से, अखबार और पत्रिकाएँ और खाली बोतलें।



चीनू दौड़ कर ठेले से एक और खाली बोरी ले आया। वे लिफ्ट में ऊपर जाने वाले थे! चीनू की आँखें बड़ी-बड़ी और गोल हो गईं।

पाँचवीं मंज़िल से, अखबार और पत्रिकाएँ, बोतलें, डिब्बे और किताबें मिलीं।



जब तक उसके पिता जी उस महिला से बात कर रहे थे, चीनू ने सब सामान ऐसे समेटा कि किताबें सबसे ऊपर थीं।

जहाँ वह उन्हें देख सकता था।



अब तो ठेले को धक्का देने के लिए चीनू को पिता जी का हाथ बँटाना पड़ा!



घर पर सब सामान सहेज कर रखने के बाद चीनू के पिता जी ने उसे बुलाया।

“तुम्हारे लिये कुछ है,” वे बोले। वही किताब जिसे चीनू पूरी दोपहर भर देखता रहा था।

“शुक्रिया पिता जी!” चीनू बोला उसके बाद, रात को खाने के लिए उन्हें उसे तीन बार बुलाना पड़ा!

Story Attribution:

This story: कबाड़ी वाला is translated by Manisha Chaudhry . The © for this translation lies with Pratham Books, 2009. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: 'Cheenu's Gift', by Sridala Swami . © Pratham Books , 2009. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Other Credits:

This book has been published on StoryWeaver by Pratham Books. Pratham Books is a not-for-profit organization that publishes books in multiple Indian languages to promote reading among children. www.prathambooks.org

Illustration Attributions:

Cover page: Boy carrying newspapers, by Suvidha Mistry © Pratham Books, 2009. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: Boy looking out of a classroom window, by Suvidha Mistry © Pratham Books, 2009. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: Surprised boy , by Suvidha Mistry © Pratham Books, 2009. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: A busy street, by Suvidha Mistry © Pratham Books, 2009. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: Father picking up son from school, by Suvidha Mistry © Pratham Books, 2009. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: Push-cart on a busy street, by Suvidha Mistry © Pratham Books, 2009. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: Boy helping father carry newspapers, by Suvidha Mistry © Pratham Books, 2009. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: Boy in an elevator, by Suvidha Mistry © Pratham Books, 2009. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: Boy playing with boxes and man packing by Suvidha Mistry © Pratham Books, 2009. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: Man and woman in conversation while boy looks through the sack's contents, by Suvidha Mistry © Pratham Books, 2009. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Illustration Attributions:

Page 11: Boy helping man push the cart, by Suvidha Mistry © Pratham Books, 2009. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 12: Boy reading as parents eat, by Suvidha Mistry © Pratham Books, 2009. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

कबाड़ी वाला
(Hindi)

चीनू को अपने पिताजी का हाथ बँटाना अच्छा लगता है। वे कबाड़ी वाले का काम करते हैं और उन्हें बहुत किस्म का सामान मिलता है। कभी-कभी यह चीनू के बहुत काम आता है।

यह पठन स्तर २ की किताब है, उन बच्चों के लिए जो सरल शब्द पढ़ लेते हैं और थोड़ी मदद से नए शब्द भी पढ़ सकते हैं।

